www.dpkavishek.in

DPKHRC

Prospectus
मार्गदर्शिका

For Opportunity
Hon. Doctorate in Humanity

भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक
डॉ. अभिषेक कुमार
संस्थापक अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

सानिध्य
भारत भूषण
महंत श्री डॉ. नानक दास जी महाराज
सतगुरू कबीर आश्रम सेवा संस्थान
बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान

मानवता अनुसंधान कार्यक्रम
Research in Humanity Program

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र
Divya Prerak Kahaniyan Humanity Research Centre

An ISO 21001:2018 Certified Research Institution

Regd. Under Indian Trust Act 1882, Government of India
Regd. Under RRRNA ISBN, Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India
Regd. Under Ministry of Micro Small and Medium Enterprises, Government of india | Regd. Under NITI Ayog, Government of India
Regd. Under 12A, 80G, Income Tax Department, Government of India
Reg. Under VHEP Ministry of Education, Government of India | Regd. Under CSR, Ministry of Corporate Affairs Government of India

Copyright in Government of India ©2023 All rights reserved

तारकिशोर प्रसाद
सदस्य, बिहार विधान सभा
63- कटिहार
सभापति, लोक लेखा समिति
एवं
पूर्व उप मुख्यमंत्री, बिहार

बिहार सरकार

आवास
6/20, 20 सेट डुपलेक्स बंगला
गर्दनीबाग : पटना- 800 002
दूरभाष : 0612- 2241944
मोबाईल : 9431814944

शुभकामना संदेश

अत्यंत प्रसंसनीय व हर्ष का विषय है कि सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू नागौर के महंत श्री डॉ. नानकदास जी महाराज के मार्गदर्शन, संरक्षण में राष्ट्र लेखक श्री डॉ. अभिषेक कुमार जी द्वारा मानवता के दीप प्रज्ज्वलित करने के वास्ते **"दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र"** का स्थापना किया है।

जाती-पाती, धर्म सम्प्रदाय से ऊपर उठकर मानवता के अनुसंधानात्मक आयाम आत्मसात करने योग्य है जिसके उपरांत साधारण मानव मान्यतावाद के जुनूनी बंधन से छूटकर मानवतावाद के शिखर पर चढ़ असाधारण मानव बन सकता है जहाँ आत्मकल्याण भी है और जनकल्याण भी निहित है। मेरा विश्वास है कि आधुनिक भारत निर्माण में राष्ट्रीय एकता अखंडता, सध्द्भावना, सौहार्द, प्रेम, भाईचारा और जीवनोपयोगी ज्ञान के दृष्टिगत यह मनवता अनुसंधान केंद्र अहम भूमिका निभाएगी और यह देश दुनियाँ में इस प्रकार का अनुसंधान केंद्र पहला तथा अनोखा है।

इस संस्थान के माध्यम से मानवता पर शोध करने वाले सभी शोधार्थियों को मंगल शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(तारकिशोर प्रसाद)

क्षेत्रीय कार्यालय : जी. बी. निकेतन, मिरचाईबाड़ी चौक, कटिहार-854105 (बिहार) दूरभाष : 06452-231944, ई-मेल : tarkishore.pd@gov.in
विधान सभा कार्यालय : कमरा संख्या- जी-59, बिहार विधान सभा विस्तरित भवन, पटना, दूरभाष संख्याः 0612-2217850

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र
Divya Prerak Kahaniyan Humanity Research Centre

दिव्य प्रेरक कहानियाँ एक नज़र में

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र देश/दुनिया का पहला एक ऐसा मानवता से सम्बंधित ISO 21001:2018 प्रमाणित शोध संस्थान है जो अनोखी और नई पहल के साथ-साथ मानवों में मानवता और नैतिकता के उच्च आदर्श बिंदु प्रतिस्थापित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व शांति, तरक्की, उन्नति हेतु लोगों की मानसिकता को काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष, छल, कपट, प्रपंच आदि शत्रुओं से मुक्त कराते हुए जीवन को बदल देगा और सत्य, प्रेम, अहिंसा, सद्भावना, सहयोग एवं मानवीय एकता बंधुत्व भाईचारे के मीठे रस से सराबोर कर देगा। यह अनुसंधान केंद्र आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं मानवीय परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक केंद्र बिंदु बनेगा।

वैचारिक चेतना मंच **"दिव्य प्रेरक कहानियाँ"** मानवता अनुसंधान, साहित्य विधा पठन एवं ई-प्रकाशन केंद्र की स्थापना 01 जून 2021 को भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक श्री डॉ. अभिषेक कुमार जी के द्वारा की गयी। इसका उद्देश्य मानवता से संबंधित अनेक विषयों पर अनुसंधान, साहित्य सृजन एवं प्रकाशन संबंधी भारी-भरकम व्यय को न्यूनतम, शून्य करने के साथ-साथ लेखकों, रचनाकारों को पूर्णतः निःशुल्क प्रोत्साहन एवं सहयोग करना है तथा साहित्य जगत की प्रकाशमयी मनोरम दुनिया में लेखक और पाठकों को पुनः रुचिमय बनाना है। इस वैश्विक साहित्यिक, सामाजिक मंच पर लेखकों की कृतियाँ विश्व स्तर पर निःशुल्क प्रकाशित हो रही हैं एवं उसके विक्रय के उपरांत रॉयल्टी स्वरूप धनार्जन भी हो रहा है तथा पाठक वर्ग को भी बिल्कुल सस्ते, सहज, मामूली शुल्क या निःशुल्क में कई रचनाकारों की रचनाएँ ई-पठन का विकल्प मिल रहा है।

दिव्य प्रेरक कहानियाँ वैचारिक चेतना मंच पर निःशुल्क ISBN प्रदान करने की सेवा, 50 से अधिक विषयों पर ब्लॉग पोस्ट पढ़ने एवं लिखने का विकल्प, 100 से अधिक विषयों पर मानवता संबंधित अनुसंधान के विकल्प के साथ-साथ ई-प्रकाशन, कॉपीराइट सेवा, पुस्तक डिज़ाइनिंग, मुद्रण जैसी सेवा के विकल्प मौजूद हैं।

मानवता पर अनुसंधान का उद्देश्य

वर्तमान युग में खत्म होते मानवीय गुणों एवं नैतिक मूल्यों के दृष्टिगत मानवता पर अनुसंधान महत्वपूर्ण विषय है। दुनिया में निर्जीव पदार्थ से लेकर सजीव तक सभी अपने-अपने नियम सिद्धान्त मर्यादा की डोर में बंधे हैं। संसार की सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्यों को नियम-अनुशासन की डोर में बांधे रखने वाले धर्म शास्त्रों से दूरी दिन- प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। ऐसे-ऐसे कृत्य और दृश्य नज़रों के सामने आ जाते हैं, जहाँ मानवता और नैतिकता शर्मशार दिखती है। मनुष्य जीवन बिना नैतिकता, मानवता एवं आदर्श बिंदु के परिपालन के बगैर पुष्पित और पल्लवित नहीं हो सकता। ऐसे में ज़रूरी हो जाता है कि मानवता पर एक नए सिरे से अनुसंधान हो जबकि ऐसा नहीं है। इससे पूर्व मानवता पर अनुसंधान न हुआ हो..! सत्य -सनातन, धर्म-संस्कृति के अनेक संत, महात्मा, ऋषि, मुनियों, महर्षियों ने वर्षों के तप, परिश्रम, अनुसंधान से जो वेद, पुराण, उपनिषद लिखें हैं, उनका अध्ययन, मनन-चिंतन एवं जीवन में उतारने से वास्तव में आत्मीयता मानवता के सर्वोच्च बिंदु पर पथ-प्रदर्शक करने वाला दिव्य प्रेरणा प्रकाश पुंज है पर आधुनिक चकाचौंध, भागदौड़ भरे जीवन और धन की तृष्णा के आगे स्वाध्याय के लिए फुर्सत कहाँ है?

पौराणिक सभ्यता- संस्कृति, धरती पर आए एक के बाद एक अनेक असाधारण महापुरुषों के जीवन दर्शन एवं विभिन्न धार्मिक ग्रंथों के मूल सार पर अनुसंधान हो जिसमें मानवता के निचोड़, सत्य, प्रेम, आपसी एकता, अखण्डता, सौहार्द, भाईचारा, सहयोग और सद्भावना के मीठे निर्मल जल की नदियाँ बहें, जहाँ असंख्य प्यासे जी-भर के रोज़ पीयें, फिर भी कोई घाटा पड़ने वाला न हो और उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली जाए।

राजतंत्र का दीपक कब का बुझ चुका है, प्रजातंत्र के दीपक में बहुत तेल नहीं बचा है, इस बीच उपजे स्वार्थ, काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, अहंकार ईर्ष्या, द्वेष, छल, कपट, प्रपंच, झूठ, फरेब जैसे हृदय विदारक घावों पर मानवता की मरहम बहुत ही ज़रूरी है। ऐसे में स्वकल्याण, जगत-कल्याण एवं आधुनिक भारत के नव-निर्माण में मानवता जैसे विषय पर अनुसंधान प्रासंगिक हो जाता है।

मानवता संबंधित अनुसंधान का विषय

1. मानवता की ज़रूरत एवं व्यापकता
2. सत्य सनातन धर्म और मानवता
3. बौद्ध धर्म और मानवता
4. सिक्ख धर्म और मानवता
5. जैन धर्म और मानवता
6. पारसी धर्म और मानवता
7. इस्लाम धर्म और मानवता
8. ईसाई धर्म और मानवता
9. यहूदी धर्म और मानवता
10. सर्वधर्म के निचोड़ और मानवता
11. भारतीय संस्कृति और मानवता
12. संत, महात्मा, ऋषि, मुनि, महर्षि परंपरा और मानवता
13. सद्गुरु कबीर और मानवता
14. स्वामी विवेकानंद और मानवता
15. महात्मा गांधी और मानवता
16. रहीम और मानवता
17. संत रविदास और मानवता
18. बाबा साहिब डॉ.भीमराव अंबेडकर और मानवता
19. दुनिया के कोई भी असाधारण व्यक्ति, उनके व्यक्तित्व और मानवता
20. भारतीय संविधान और मानवता
21. विश्व कल्याण और मानवता
22. प्रकृति पर्यावरण सुरक्षा और मानवता
23. पशु, पक्षी, जीव, जंतु कल्याण और मानवता
24. वेद, पुराण, शास्त्र, उपनिषद और मानवता
25. सतयुग और मानवता
26. त्रेतायुग और मानवता
27. द्वापरयुग और मानवता
28. कलयुग और मानवता
29. सत्य, सौहार्द, आपसी एकता, प्रेम, सहयोग और मानवता
30. ईमानदारी, नैतिक मूल्यों, संस्कार और मानवता
31. गुरुकुल शिक्षा पद्धति और मानवता
32. योग शक्ति और मानवता
33. सामाजिक, आर्थिक परिदृश्य और मानवता
34. नाथ सम्प्रदाय और मानवता
35. विभिन्न उप धर्म, सम्प्रदाय और मानवता
36. आस्था, विश्वास के केंद्र और मानवता
37. कर्मों के अकाट्य सिद्धान्त और मानवता
38. श्रद्धा, भक्ति, विश्वास और मानवता
39. आध्यत्मिकता, धार्मिकता और मानवता
40. व्यापार, रोज़गार और मानवता
41. राजनीति और मानवता
42. श्रीमद्भागवत गीता और मानवता
43. महाभारत कथा और मानवता
44. रामायण कथा और मानवता
45. साहित्य सृजन, पठन और मानवता
46. सत्व, तम, रज और मानवता
47. खाद्यान्न उत्पादन, उपभोग और मानवता
48. घरेलू कलह, अलगाव, परिणाम और मानवता
49. संस्थागत कलह, परिणाम और मानवता
50. आज़ादी के दीवाने और मानवता
51. नारी समस्या, सशक्तिकरण और मानवता
52. बाल श्रम उन्मूलन और मानवता
53. किन्नर जीवन और मानवता
54. दहेजप्रथा उन्मूलन और मानवता
55. मातृभूमि, मातृभाषा, राष्ट्र प्रेम और मानवता
56. सर्वधर्म सौहार्द और मानवता (सौहार्द शिरोमणि डॉ. सौरभ पाण्डेय मॉडल)
57. पी. सी. राम मॉडल स्कूल और मानवता
58. विदेशी संस्कृति और मानवता
59. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानवता
60. कृत्रिम बुद्धिमता ;।प्द्ध, क्वांटम युग और मानवता
61. कला संस्कृति और मानवता
62. अंतरिक्ष विज्ञान और मानवता
63. ज्योतिष शास्त्र और मानवता
64. पत्रकारिता और मानवता
65. स्वास्थ्य पोषण और मानवता
66. समाज सेवा और मानवता
67. चिकित्सा सेवा और मानवता
68. इतिहास, पुरातत्व और मानवता
69. वर्तमान शिक्षण प्रणाली, शैक्षणिक संस्थान और मानवता
70. पर्व, त्योहार, सस्मरण दिवस/जयंती और मानवता
71. अश्लीलता का प्रभाव और मानवता
72. छल, कपट, प्रपंच, अवसरवाद और मानवता
73. मान्यतावाद, रूढ़िवादी परंपरा और मानवता
74. पशु क्रूरता और मानवता
75. तानाशाही, दमनकारी नीति और मानवता
76. आदिवासी समाज और मानवता
77. कीट पतंगों के मौलिक अधिकार और मानवता
78. जंगल की चीख पुकार और मानवता
79. नदियों की सहनशीलता, संरक्षण, जलसंचयन और मानवता
80. शासन, प्रशासन और मानवता
81. सरकारी/गैर सरकारी संस्थान के कर्मचारी और मानवता
82. किसानों की समस्या, निवारण और मानवता
83. रासायनिक तथा जैविक कृषि का प्रभाव और मानवता
84. वैज्ञानिक अविष्कार, खोज और मानवता
85. पारंपरिक ग्रामोद्योग पुनर्जीवित, प्रोत्साहन, कायाकल्प और मानवता

86. महा दानवीर श्री डॉ. इंद्रजीत शर्मा जी के व्यक्तित्व और मानवता
87. मिलावट का असर, परिणाम और मानवता
88. वृद्ध माता-पिता सेवा सत्कार और मानवता
89. जबरन या झांसा पूर्ण धर्म परिवर्तन के प्रभाव और मानवता
90. सनातन देवी-देवताओं की कहानियाँ और मानवता
91. समस्त भाषाओं का मेल-जोल, साझा-समन्वयन, सहयोग और मानवता
92. नशा मुक्ति और मानवता
93. धन की तृष्णा और मानवता
94. मनुष्य शरीर में सुषुप्त दिव्य शक्ति केंद्र के सात चक्र और मानवता
95. भूख, गरीबी, लाचारी, बेबसी से त्रस्त जीवन और मानवता
96. वेश्यावृत्ति एवं इसके विभिन्न आधुनिक स्वरूप, प्रभाव और मानवता
97. चित्रकारिता, कार्टून कला और मानवता
98. जुओखोरी एवं इसके विभिन्न आधुनिक प्रकार, प्रभाव और मानवता
99. गौ सेवा, गोरस उत्पाद सेवन के फायदे और मानवता
100. आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति और मानवता
101. होम्योपैथ चिकित्सा पद्धति और मानवता
102. यूनानी चिकित्सा पद्धति और मानवता
103. एलोपैथ चिकित्सा पद्धति और मानवता
104. रिश्वतखोरी के नकारात्मक प्रभाव और मानवता
105. जैविक हथियार निर्माण, उपयोग, दुष्प्रभाव और मानवता
106. संगीत की विभिन्न विधाएं और मानवता
107. मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ और मानवता
108. वर्तमान न्याय प्रणाली और मानवता
109. ईश्वरीय न्याय व्यवस्था और मानवता
110. महिलाओं की प्रधानता, उनके हाथ में सत्ता की बागडोर और मानवता
111. अंधविश्वास, पाखंडवाद और मानवता
112. यज्ञ, मंत्रोच्चार की शक्ति और मानवता
113. आपदा प्रबंधन, राहत बचाव कार्य और मानवता
114. स्वच्छता और मानवता
115. कचरा प्रबंधन एवं इसका निपटारा और मानवता
116. चाटुकारिता के प्रभाव और मानवता
117. जबरन यौन हिंसा, उत्पीडन, शोषण, बलात्कार और मानवता
118. साइबर अपराध, ठगी और मानवता
119. युद्ध की विभीषिका, बर्बरता और मानवता
120. मानव तस्करी और मानवता
121. शिक्षा और मानवता
122. मानवता से संबंधित अन्य किसी भी विषय

नोट- उपरोक्त विषय में से अनुसंधान हेतु किसी एक विषय का चयन करें ।

अनुसंधान के लिए योग्यता

जीवन का सच्चा अनुभव, ज्ञान, एवं हृदय का उद्‌गार ही किसी व्यक्ति के योग्यता का पैमाना है। इस लिए ऊपर वर्णित मानवता से संबंधित किसी भी विषयों पर अनुसंधान के लिए कोई न्यूनतम योग्यता निर्धारित नहीं है। दुनिया का कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी विषय में डिग्री धारक हो अथवा नहीं हो वे सभी पात्र हैं। स्पष्ट शब्दों में कोई भी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है।

अनुसंधान के फायदे

दिव्य प्रेरक कहानियाँ अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) के तहत मानवता पर निर्धारित अनुसंधान विषय अपने आप में अद्‌भुत एवं व्यापक है जिसका ताल्लुक मानव जीवन से सीधा है और भारत में इस प्रकार के मानवता अनुसंधान केंद्र दूसरे कोई नज़र नहीं आते। ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को एक विशेष हुनर, तजुर्बा और ज्ञान-विवेक के असीमित भंडार देकर धरा पर भेजा हैं पर व्यक्ति इस मायावी दुनिया में इंद्रियों की स्वार्थलुप्ता के चंगुल से निकलकर कितना सार्थक सदुपयोग करता है वह उस पर निर्भर करता है। परंतु कोई भी व्यक्ति जब अपने ज्ञान, विवेक, हुनर, तजुर्बे के सहारे किसी विशेष विषय पर वर्षों के अनुभव से किसी विशेष नतीजे पर पहुँचता है तो वह प्रक्रिया ही अनुसंधान कहलाता है एवं इसके परिणाम स्व कल्याण के साथ-साथ जन कल्याणकारी भी होता है तथा इतिहास में उसकी कृति एवं अनुसंधान परिणाम युग-युगांतर तक अमर हो जाता है क्योंकि शब्द तो ब्रह्म की तरह अमर अविनाशी है। योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण गीता के 10वें अध्याय में कहते हैं- मैं लेखकों में वेदव्यास हूँ और कवियों में शुक्राचार्य अर्थात रचनाकारों, अनुसंधानकर्ताओं में ईश्वर का अंश होता है और वे उस काल समय के घटनाचक्र को भविष्य के लिए प्रेरणात्मक सहेजने, कलमबद्ध करने वाले पुरोधा हैं।

शोधपरक पुस्तकें मन में उठती उमंग की हिलोरों को चाँद से स्पर्श करा देती हैं एवं उसके लेखन, पठन से हृदयस्थ छुपे शत्रुओं का ऐठन भाग जाता है।

सफलता पूर्वक किए गए अनुसंधान पेपर दिव्य प्रेरक कहानियाँ ई-प्रकाशन केंद्र के माध्यम से पूरे विश्व में प्रकाशित की जाएँगी और गूगल पर अनंत समय तक पाठ्य अनुसंधान सामग्री उपलब्ध रहेगी। भारत सरकार सहित संबंधित सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों को भी भेजी जाएगी ताकि अच्छे नियम/नीति से घोर कलिकाल के कलुषित वातावरण में मानवता के आदर्श बिंदु, नैतिक मानवीय मूल्यों की अहमियत से जन समुदाय को जागृत और सचेत किया जा सके।

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) के माध्यम से किए गए सफलतापूर्वक अनुसंधान पेपर एवं यहाँ से प्राप्त प्रमाण पत्र आपके जीवन के विभिन्न आयामों में खुद स्थापित एवं साबित करने के लिए काम आएगा।

लचीला प्रवेश

ऊपर वर्णित विषय पर अनुसंधान के लिए कोई योग्यता जाँच परीक्षा नहीं है। बस हसरतें, उमंग, जज़्बा, जुनून है तो मानवता के कल्याणार्थ हेतु लग जाइए तथ्यात्मक निचोड़ अनुसंधान पर, बिल्कुल सहज एवं जिस स्थान पर निवास हैं बस वहीं से दिव्य प्रेरक कहानियाँ के मानवता अनुसंधान केंद्र से और अपनी सामर्थ्य को एक नई उड़ान ऊँचाई दें, वह भी मामूली संसाधन में।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

सर्वप्रथम दिव्य प्रेरक कहानियाँ के वेबसाइट पर जाकर मानवता अनुसंधान केंद्र का पेज www.dpkavishek.in/hrc.php खोलना होगा वहाँ ऑनलाइन मांगे गए विवरण में अपनी प्रविष्टि दर्ज करनी होगी तथा मानवता संबंधी अनुसंधान के लिए एक विषय का चयन करना होगा। निर्धारित रजिस्ट्रेशन शुल्क सफलतापूर्वक अदा करने के उपरांत आपकी अभिरुचि एवं मानवता अनुसंधान संबंधित प्रस्ताव दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र ;क्च्ज्ञभ्त्ब्द्ध एडमिन अनुभाग को प्राप्त हो जाएगा। समीक्षोपरांत आपके आवेदन को मानवता पर अनुसंधान हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए आपके द्वारा दिए गए ईमेल आईडी पर रजिस्ट्रेशन संख्या भेज दी जाएगी।

शुल्क

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र ;क्च्ज्ञभ्त्ब्द्ध द्वारा निर्धारित एवं आपके द्वारा चयनित किसी भी एक विषय पर अनुसंधान के लिए तय सामान्य शुल्क 4,500/- रुपये है। जिसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क 1,500/- रुपये प्रति व्यक्ति ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के वक्त भुगतान करना होगा एवं शेष शुल्क 3,000/- रुपये अनुसंधान पेपर जमा करते वक्त देय होगा। महिलाओं को निर्धारित शुल्क में से 25 प्रतिशत की रियायत होगी। महिलओं के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000/- रूपये भुगतान करना होगा एवं शेष 2375/- रूपये अनुसंधान पेपर (शोध प्रबंध) जमा करते वक्त देय होगा।

विशेष परिस्थिति में गरीबी रेखा से नीचे गुज़र-बसर करने वाले सभी श्रेणी के महिला,पुरुष व्यक्तियों एवं दिव्यांग जनों का शुल्क में विशेष छूट या निःशुल्क होगा परंतु इसके लिए DPKHRC के संस्थापक अध्यक्ष से लिखित स्वीकृति लेनी होगी।

अनुसंधान अवधि

दिव्य प्रेरक कहानियॉं मानवता अनुसंधान केंद्र द्वारा ऊपर 75 से अधिक निर्धारित विषयों पर अनुसंधान समयावधि एवं रजिस्ट्रेशन वैधता अधिकतम 3 वर्ष की होगी। इससे पूर्व कभी भी अपना अनुसंधान पेपर टंकित पीडीएफ फ़ाइल में ऑनलाइन सम्बंधित पोर्टल पर जाकर जमा कर सकते हैं।

मूल्यांकन

सफलता पूर्वक किए गए संबंधित विषय में अनुसंधान के उपरांत अनुसंधान पेपर दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) के वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। जिसके उपरांत प्रबंधन समिति द्वारा योग्य विद्वतजनों से मूल्यांकन कराया जाएगा जिसमें यह मापदंड अपनाया जाएगा- 80% से 100% तक अंक लाने वाले शोधार्थियों को A+ श्रेणी, 60% से 79% तक अंक लाने वाले शोधार्थियों को A श्रेणी, 45% से 59% तक अंक लाने वाले शोधार्थियों को B श्रेणी का DPKHRC द्वारा सफलता पूर्वक अनुसंधान पूर्णता का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। 45% से कम अंक लाने वाले शोधार्थियों को पुनः अवसर दिया जाएगा। A+ श्रेणी के सफल शोधार्थी, मानवता में डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए पात्र होंगे जिनको DPKHRC से सम्बद्ध राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी से उक्त डिग्री की प्राप्ति हेतु अनुशंसा की जाएगी। जिसके लिए संबंधित यूनिवर्सिटी का निर्धारित शुल्क, ऊपर वर्णित शुल्क के अलावा अलग से अदा करना होगा।

वार्षिक आयोजित होने वाले सम्मान/दीक्षांत समारोह में सफल शोधार्थियों को उल्लेखित प्रमाण पत्र/डिग्री व सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही साथ भारत सरकार के बौद्धिक संपदाओं का अधिकार कॉपीराइट अधिनियम 1957 के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के कॉपीराइट कार्यालय में पंजीकृत कराया जाएगा तदुपरांत भारत सरकार से आपके द्वारा चयनित शिर्षक और उसमें समाहित समस्त पाठ्य सामग्री पर मुहर एवं हस्ताक्षरित कर भारत सरकार के कॉपीराइट रजिस्टार की ओर से कॉपीराइट सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा। तत्पश्चात मानवता संबंधित आपके द्वारा किये गए अनुसंधान को कोई भी चुरा नहीं सकेगा और उस पर केवल आप ही का सर्वाधिकार सुरक्षित होगा।

संचालन

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र का भव्य भवन बनना अभी प्रस्तावित है जहाँ मानवीय अनुसंधान लैब के साथ-साथ साहित्य विधा पठन कक्ष, भैतिक एवं ई-पुस्तकालय कक्ष, वैश्विक विचार संग्रहण कक्ष, सेमिनार हॉल, प्रेक्षागृह एवं मीटिंग कक्ष का निर्माण होना लंबित है। रजिस्ट्रेशन शुल्क से प्राप्त आय तथा भामाशाह/धन्नासेठ व्यक्ति जिनके पास अपार धन संपति हो और वह धर्म-कर्म के पुनीत कार्यो में अपनी कमाई का कुछ अंश स्वैच्छिक दान करने की हसरत रखते हों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के निधि और सरकार से वित्तीय सहयोग हेतु मांग कर स्थाई भवन निर्माण कार्य कराया जाना प्रक्रियाधीन है। इससे पूर्व जयहिन्द तेंदुआ, औरंगाबाद बिहार के भूमि से स्थायी संचालित दिव्य प्रेरक कहानियाँ के वेबसाइट www.dpkavishek.in के माध्यम से फिलहाल केवल ऑनलाइन दूरस्थ मोड में उक्त मानवता संबंधित अनुसंधान कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।

मार्गदर्शन/सलाहकार

अखिल भारतीय कबीर मठ, सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान, बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान के भारत भूषण महंत श्री डॉ.

नानक दास जी महाराज और स्वयं DPKHRC के संस्थापक भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक उपाधि से अलंकृत श्री डॉ. अभिषेक कुमार एवं गढ़वा, झारखण्ड के व्यंग्य भूषण श्री राजीव भारद्वाज शोधार्थियों के मार्गदर्शक/सलाहकार होंगें।

सानिध्य

सद्‌गुरु कबीर समाधि स्थलि मगहर, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश के पीठाधीश्वर महंत आचार्य श्री विचारदास जी महाराज, अयोध्या धाम के महंत श्री सुधीर दास जी महाराज, पं. तिलक राज शर्मा स्मृति न्यास (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका) के अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत शर्मा जी, चंडीगढ़ पंजाब से पंजाब सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत डॉ. सुनील बहल जी और धरा धाम गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के सौहार्द शिरोमणि श्री डॉ. (प्रो.) सौरभ पाण्डेय एवं श्री एहसान अहमद के सानिध्य मार्गदर्शन में मानवता संबंधित अनेक विषयों पर अनुसंधान कार्य होंगे।

नियम व शर्तः-

- सफलतापूर्वक पंजीयन हो जाने के पश्चात पंजीयन तिथि से आगामी 3 वर्ष तक आपका पंजीयन मान्य है।
  आप अपने पसंद के सलाहकार/पर्यवेक्षक के मार्गदर्शन में या स्वयं के प्रयास से टंकित पीडीएफ में अपना अनुसंधान पेपर एक वर्ष के पश्चात कभी भी संबंधित पोर्टल पर जमा कर सकते हैं।
- यह ध्यान रहे कि शोध कार्य आपका मूल शोध पत्र अप्रकाशित हो एवं इससे पहले किसी अन्य डिग्री/डिप्लोमा के लिए उपयोग न किया गया हो तथा साहित्यिक चोरी न किया गया हो। मूल्यांकन के समय यह सब जाँच किया जाएगा।
- दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र के वेबसाइट पर आपके द्वारा बनाये गए खुद का लॉगिन आईडी, पासवर्ड भविष्य के लिए सुरक्षित रखें। अनुसंधान पेपर जमा करते वक़्त इसकी जरूरत पड़ेगी।
- सफलतापूर्वक स्व चयनित विषय में अनुसंधान कार्य A+, A एवं B श्रेणी में उतीर्ण करने वाले शोधार्थियों को दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र के माध्यम से अनुसंधान पूर्णता का प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। यह प्रमाण पत्र किसी सरकारी मानक शैक्षणिक डिग्री/डिप्लोमा के समतुल्य होने का दावा नहीं करता।
- आपके अनुसंधान पेपर/शोध प्रबंध को भारत सरकार से कॉपीराइट कराए जाएंगे तदुपरांत भारत सरकार द्वारा प्रदत्त कॉपीराइट सर्टिफिकेट आपको प्रदान किये जायेंगे।
- मानवता में अनुसंधान के उतीर्णता प्रमाण पत्र के साथ-साथ अतिरिक्त सभी उतीर्ण शोधार्थियों को दीक्षांत समारोह में सहयोगी संस्था अखिल भारतीय कबीर मठ, सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान, बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान के द्वारा कबीर कोहिनूर कबीर चौरा मानवतावादी सम्मान, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।
- A+ श्रेणी में उतीर्ण शोधार्थियों को दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र से सम्बद्ध राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थान से मानवता में डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए सिफारिश किया जाएगा। संबंधित विश्वविद्यालय/संस्थान से की गई सिफारिश स्वीकृति के दशा में संबंधित विश्वविद्यालय/संस्थान के निर्धारित शुल्क अलग से अतिरिक्त अदा करना होगा।
- सफलतापूर्वक पंजीयन हो जाने के पश्चात ऑनलाइन भुगतान की जा चुकी धनराशि वापस नही हो सकती।
- यह स्पष्ट ध्यान रहे की दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र के माध्यम से UGC मानक Ph.D का अनुसंधान नहीं कराया जा रहा। यह संस्थान के द्वारा मानवता से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्यवहारिक अनुसंधान की कार्यनीति बनाई गई है ताकि साहित्य सृजन व पठन से सामाजिक मनोवृति में बदलाव हो सके तथा समाज में नैतिकता, मानवता के उच्च आदर्श बिंदु स्थापित हो सके।
- यह शोध संस्थान भारतीय ट्रस्ट कानून-1882 के तहत पंजीकृत है तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के विद्यांजली उच्चतर शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत पंजीकृत है एवं अन्य मान्यता भी सरकार से ली गई है।

मानवता : मानव होने की पहली शर्त

मानव सिर्फ दो हाथ,दो पैर,दो कान,दो आँख,एक जीभ और एक नाक का समुच्चय नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों का ऐसा समुच्चय है, जो मानव को विश्व के अन्य जीव-जंतुओं से अलग और श्रेष्ठ बनाता है। विश्व में एक मानव ही ऐसा प्राणी है,जो न केवल मानवों, बल्कि तमाम जीव-जंतुओं की बेहतरी की चिंता करता है।यही नहीं,वह अतीत से सीख लेते हुए वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की भी चिंता करता है। मानवीय मूल्यों का विकास कोई एक दिन में नहीं, बल्कि हजारों साल में हुआ है। भिन्न-भिन्न समय में भिन्न- भिन्न मूल्यों का विकास हुआ। उदाहरणार्थ, प्रागैतिहासिक काल में मानव गिरि-कंदराओं में रहा करते थे और कंद-मूल, माँस आदि खाया करते थे।जब जानवरों ने उनपर हमला किया,तब मानवों ने एक साथ मिलकर उसका प्रतिकार किया। वहीं से मानवों में सहयोग करने का मूल्य विकसित हुआ।इस प्रकार हम पाते हैं कि बर्बर से विनम्र और दुर्जन से सज्जन बनने की यात्रा मानवों ने हज़ारों वर्षों में पूरी की है। जिनके अंदर मानवीय मूल्यों का खज़ाना नहीं है,वे मानव हरगिज़ नहीं हो सकते। हाँ, मानव होने का नाटक अवश्य कर सकते हैं। ये मानवीय मूल्य ही मानव के आभूषण हैं और यही समग्र रूप से मानवता है। वस्तुतः मानवता ही मानव होने की पहली शर्त है।

मानवता की बात हर कोई करता है,मगर मानवता पर अनुसंधान की बात करना थोड़ा विचित्र अवश्य प्रतीत होता है,मगर इस विषय पर ठहरकर जब हम सोचते हैं, तो इसके दूरगामी सकारात्मक प्रभाव में हम खो जाते हैं। धन्य है! दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र, जिसने इस अनछुए विषय को केंद्र में रखकर इस शब्द की विराटता के दर्शन कराए। निश्चित रूप से दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र द्वारा मानवता के विभिन्न स्वरूपों और प्रभावकारी शक्तियों का अध्ययन, विकास और उत्प्रेरण किया जाना, सभ्यता एवं संस्कृति के उच्चतम मानदंड का द्योतक है।इस बहाने मानवता में डाक्ट्रेट की उपाधि पाने का भले सुनहरा और प्रामाणिक अवसर हो,मगर इसका संदेश कितना दूर तक जाएगा, कल्पनातीत है।

इस उच्च मंज़िल की ओर अग्रसर रथ के सारथी श्री डॉ. अभिषेक कुमार जी बेशक साधुवाद के पात्र हैं। वे न केवल युवा, जिज्ञासु, जुनूनी और जानकार हैं, बल्कि मानवता की पताका को अखिल विश्व में फहराने के लिए नित्य युद्धरत हैं। प्रबल विश्वास है कि ऐसे आध्यात्मिक सारथी के होते, मंज़िल कठिन नहीं होगी।

अंत में, इस महत्वाकांक्षी मिशन के जनक,प्रेरक और अन्य कार्यवाहक को हृदय से धन्यवाद, स्वागत और बधाई। महामानव डॉ नानकदास जी को सश्रद्ध नमन।

-अंगद किशोर

शोधार्थी (दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र)

इतिहासकार,साहित्यकार एवं शिक्षाविद्

जपला, पलामू, झारखंड।

मो. नं.: 91 8540975076

रजिस्ट्रेशन हेतु ऑनलाइन अप्लाई लिंक-
www.dpkavishek.in/hrc-apply

अब तक रजिस्टर्ड शोधार्थियों की सूची देखने हेतु लिंक-
www.dpkavishek.in/hrc-search

अपना अनुसंधान पेपर जमा करने हेतु लिंक-
www.dpkavishek.in/hrc-submitpaper

संपर्क सूत्र

क्र. सं.	नाम	पदनाम	मोबाइल नं.
1.	महंत श्री डॉ. नानक दास जी महाराज	सानिध्य व मार्गदर्शन	+91 9983461251
2.	डॉ. (प्रो.) अजीत कुमार जैन	मुख्य शोध सलाहकार/पर्यवेक्ष	+91 9412652568
3.	श्री प्रकाश चन्द टेलर	सलाहकार	+91 8233790476
2.	श्री डॉ. अभिषेक कुमार	संस्थापक अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	+91 9472351693
3.	श्री राजीव भारद्वाज	अनुसंधान अधिकारी	+91 9006726655
4.	श्री सूर्य प्रकाश त्रिपाठी	अनुसंधान समन्वयक	+91 9580008185
5.	डॉ. आर. सी. यादव	अनुसंधान सुचना अधिकारी	+91 9540091623

मूल्य : 250/- मात्र

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS
GEOGRAPHICAL INDICATIONS

सत्यमेव जयते

Extracts from the Register of Copyrights

प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय, भारत सरकार | Copyright Office, Government Of India

दिनांक/Dated:14/12/2023

1.	पंजीकरण संख्या/Registration Number	: **L-138428/2023**
2.	आवेदक का नाम, पता तथा राष्ट्रीयता Name, address and nationality of the applicant	: DIVYA PRERAK KAHANIYAN HUMANITY RESEARCH CENTRE THROUGH ITS MANAGING TRUSTEE DR. AVISHEK KUMAR , VILLAGE AND POST -THEKMA, TEHSIL-MARTINGANJ, DIST. AZAMGARH, UTTAR PRADESH, INDIA-223224 INDIAN
3.	कृति के प्रतिलिप्यधिकार में आवेदक के हित की प्रकृति Nature of the applicant's interest in the copyright of the work	: OWNER
4.	कृति का वर्ग और वर्णन Class and description of the work	: LITERARY/ DRAMATIC WORK
5.	कृति का शीर्षक Title of the work	: PROSPECTUS-DPKHRC
6.	कृति की भाषा Language of the work	: HINDI
7.	रचयिता का नाम, पता और राष्ट्रीयता तथा यदि रचयिता की मृत्यु हो गई है, तो मृत्यु की तिथि Name, address and nationality of the author and if the author is deceased, date of his decease	: DR. AVISHEK KUMAR , VILLAGE AND POST- JAIHIND TENDUA, PS-MALI, DIST-AURANGABAD, BIHAR, INDIA-824301 INDIAN
8.	कृति प्रकाशित है या अप्रकाशित Whether the work is published or unpublished	: UNPUBLISHED
9.	प्रथम प्रकाशन का वर्ष और देश तथा प्रकाशक का नाम, पता और राष्ट्रीयता Year and country of first publication and name, address and nationality of the publisher	: N.A.
10.	बाद के प्रकाशनों के वर्ष और देश, यदि कोई हों, और प्रकाशकों के नाम, पते और राष्ट्रीयताएँ Years and countries of subsequent publications, if any, and names, addresses and nationalities of the publishers	: N.A.
11.	कृति में प्रतिलिप्यधिकार सहित विभिन्न अधिकारों के स्वामियों के नाम, पते और राष्ट्रीयताएं और समनुदेशन और अनुज्ञप्तियों के विवरण के साथ प्रत्येक के अधिकार का विस्तार, यदि कोई हो। Names, addresses and nationalities of the owners of various rights comprising the copyright in the work and the extent of rights held by each, together with particulars of assignments and licences, if any	: DIVYA PRERAK KAHANIYAN HUMANITY RESEARCH CENTRE THROUGH ITS MANAGING TRUSTEE DR. AVISHEK KUMAR , VILLAGE AND POST -THEKMA, TEHSIL-MARTINGANJ, DIST. AZAMGARH, UTTAR PRADESH, INDIA-223224 INDIAN
12.	अन्य व्यक्तियों के नाम, पते और राष्ट्रीयताएं, यदि कोई हों, जो प्रतिलिप्यधिकार वाले अधिकारों को समनुदेशित करने या अनुज्ञप्ति देने के लिए अधिकृत हों Names, addresses and nationalities of other persons, if any, authorised to assign or licence of rights comprising the copyright	: N.A.
13.	यदि कृति एक 'कलात्मक कृति' है, तो कृति पर अधिकार रखने वाले व्यक्ति का नाम, पता और राष्ट्रीयता सहित मूल कृति का स्थान। (एक वास्तुशिल्प कृति के मामले में कृति पूरी होने का वर्ष भी दिखाया जाना चाहिए) If the work is an 'Artistic work', the location of the original work, including name, address and nationality of the person in possession of the work. (In the case of an architectural work, the year of completion of the work should also be shown).	: N.A.
14.	यदि कृति एक 'कलात्मक कृति' है जो किसी भी माल या सेवाओं के संबंध में उपयोग की जाती है या उपयोग किए जाने में सक्षम है, तो आवेदन में प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 की उप–धारा (i) के प्रावधान के अनुसार व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार से प्रमाणन शामिल होना चाहिए। If the work is an 'Artistic work' which is used or capable of being used in relation to any goods or services, the application should include a certification from the Registrar of Trade Marks in terms of the provision to Sub-Section (i) of Section 45 of the Copyright Act, 1957.	: N.A.
15.	यदि कृति एक 'कलात्मक कृति' है, तो क्या यह डिजाइन अधिनियम 2000 के अंतर्गत पंजीकृत है? यदि हां, तो विवरण दें। If the work is an 'Artistic work', whether it is registered under the Designs Act 2000, if yes give details.	: N.A.
16.	यदि कृति एक 'कलात्मक कृति' है, जो डिजाइन अधिनियम 2000 के तहत एक डिजाइन के रूप में पंजीकृत होने में सक्षम है, तो क्या यह औद्योगिक प्रक्रिया के माध्यम से किसी वस्तु पर प्रयुक्त की गई है और यदि हाँ, तो इसे कितनी बार पुनरुत्पादित किया गया है? If the work is an 'Artistic work', capable of being registered as a design under the Designs Act 2000.whether it has been applied to an article though an industrial process and ,if yes ,the number of times it is reproduced.	: N.A.
17.	टिप्पणी, यदि कोई हो/Remarks, if any	:

डायरी संख्या/Diary Number: 19267/2023-CO/L

आवेदन की तिथि/Date of Application: 22/07/2023

प्राप्ति की तिथि/Date of Receipt: 22/07/2023

Registrar of Copyrights

राजस्थान के नगौर ज़िले के तरनऊ ग्राम में भारत भूषण महंत श्री डॉ. नानक दास जी महाराज के नेतृत्व में दिनांक- 14 अप्रैल 2023 को आयोजित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 132वीं जयंती महोत्सव कार्यक्रम में महाराज श्री के सानिध्य संरक्षण में राष्ट्र लेखक, भारत साहित्य रत्न श्री डॉ. अभिषेक कुमार जी द्वारा स्थापित दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र की Prospects/मार्गदर्शिका मुख्य व विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदर्शित कर शुभारंभ की घोषणा की गई। इस मौके पर माननीय पूर्व मंत्री भारत सरकार श्री सी.आर. चौधरी सहित कई गणमान्य असाधारण महानुभाव मौजूद थे।

नई दिल्ली के जनपथ रोड स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय भवन में दिनांक 05/02/2023 को आयोजित कबीर कोहिनूर सम्मान सभा में साहित्य के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत होते हुए डॉ. अभिषेक कुमार।

कबीर दर्शन की परिकल्पना किसी एक जुनूनी मान्यतावाद को जन्म नहीं देती बल्कि विभिन्न मान्यताओं का सात्विक निचोड़, सर्वधर्म सौहार्द, आपसी एकता सामंजस्य, सहयोग, अखंडता एवं मानवता को पुष्ट करती है। यही कबीर चौरा एवं कबीर की दुनियाँ का अत्म साक्षात्कार है।

सानिध्य
भारत भूषण
महंत श्री डॉ. नानक दास जी महाराज
सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान
बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान

भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक
डॉ. अभिषेक कुमार
संस्थापक अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
जयहिन्द तेंदुआ, औरंगाबाद, बिहार

किसी एक मान्यतावाद के परिसीमा में न रहकर विभिन्न मान्यताओं के सकारात्मक पहलुओं पर गौर किया जाए तो वह निःसंदेह मानवतावाद का सर्वश्रेष्ठ बिंदु होगा।

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र
Divya Prerak Kahaniyan Humanity Research Centre

पंजीकृत कार्यालय : ठेकमा, जिला - आजमगढ़, उत्तर प्रदेश • पश्चमी क्षेत्रीय कार्यालय : बड़ी खाटू, जिला - नागौर, राजस्थान
दक्षणी क्षेत्रीय कार्यालय : बी-401, फेज-2, मेघा ड्राइविंग स्कूल के सामने, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद, तेलंगाना
निर्माणधीन स्थाई भवन व उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय : श्री सीता राम देवी दास न्यास, ग्राम-नंदग्रां (कुढेड़), पोस्ट-सोहरी, जिला-ऊना (हिमाचल प्रदेश)
संपर्क केंद्र : जयहिंद तेंदुआ, जिला-औरंगाबाद, बिहार • संपर्क केंद्र - कक्काड मना, ऊरकम कीषुमुरी, पीओ मलप्पुरम, केरला

www.dpkavishek.in